राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

*संख्या–**159/2026***

विधि के छात्र से बदलते समय के साथ कानून और तकनीक की समझ विकसित करें– राज्यपाल

पटना 16 अगस्त, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने पटना लॉ कॉलेज के 117वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में आने वाले 25 वर्ष कानून के क्षेत्र के लिए नए अवसरों और चुनौतियों से भरे होंगे। उन्होंने विधि के युवा छात्रों से कानून के साथ–साथ तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और नीतियों की भी समझ विकसित करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर इसकी बढ़ती भूमिका के चलते बौद्धिक संपदा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अंतरराष्ट्रीय निवेश, सीमा–पार अनुबंधों और विभिन्न न्यायक्षेत्रों से जुड़े विवादों जैसे क्षेत्रों में कानूनी जटिलताएँ बढ़ेंगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एआई के कारण कानूनी शोध और दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया और अन्य कामों को बदलाव आ रहा है, वहीं जवाबदेही, बौद्धिक संपदा, डिजिटल साक्ष्य और डीपफेक जैसी नई चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वकीलों का स्थान भले न ले, लेकिन एआई को समझने वाले वकील उन वकीलों का स्थान ले सकते हैं, जो इसे नहीं समझते।

उन्होंने कहा कि तकनीक के विकास से अपराध का स्वरूप भी बदल रहा है, इसलिए वकीलों को डिजिटल फुटप्रिंट, एन्क्रिप्शन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जैसी चीजों की जानकारी रखनी होगी। इसलिए कानून की पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

आगे पृष्ठ 2 पर...........

पेशेवर ईमानदारी और नैतिकता के महत्व पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि तकनीक ईमानदारी की जगह नहीं ले सकती, ज्ञान विवेक की जगह नहीं ले सकता और कानूनी समझ न्याय की भावना की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने छात्रों से लगातार सीखते रहने, दुनिया में हो रहे बदलावों को समझने और उस समाज को जानने का आह्वान किया, जिसके लिए कानून बनाया गया है।

पटना लॉ कॉलेज के 117 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए राज्यपाल ने इसकी गौरवशाली विरासत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने न्यायाधीशों, वकीलों, लोक सेवकों, शिक्षाविदों और राजनीतिक नेताओं की ऐसी पीढ़ियाँ तैयार की हैं, जिन्होंने बिहार और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने एआई गवर्नेंस, डीपफेक और डेटा प्रोटेक्शन जैसे नए क्षेत्रों में कॉलेज की पहल की भी सराहना की।

राज्यपाल ने छात्रों से कॉलेज की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि कानून सीखें, तकनीक को समझें, दुनिया में हो रहे बदलावों से जुड़े रहें और सबसे बढ़कर ईमानदार रहें तथा लोगों के विश्वास के योग्य बने।

....